• नाइट्रोजन उर्वरक (यूरिया, अमोनियम सल्फेट, कैन) हमेशा पानी देने के बाद देना चाहिए।

• बुआई के पांच से सात दिन बाद जब मिट्टी मे नमी हो तब फूगनाशक (फोरेट या फुराडोन) लगाएं।

• आद्रपद माह में 15 दिन में एक बार पौधे की जड़ में फूगनाशक लगाना चाहिए।

• यदि पौधा तने में सड़ने के कारण मर जाए तो 15 लीटर पानी में 20 ग्राम C O C + 1 5 मिली क्लोरपाइरीफोस + 1 ग्राम स्टेप्टोसाइक्लिन मिलाकर तने को पानी दें।

• यदि ठंड के मौसम में सिगाटोका (पत्ती धब्बा) फूग का प्रकोप पाया जाता है, तो तुरंत रिडोमील या बेनलेट जैसे अंतर-तरल फूगनाशक को 1 लीटर में आधा ग्राम की दर से स्प्रे करें।

• गर्मियों में तापमान 40°C से अधिक होने पर हर पखवाड़े फूगनाशक का प्रयोग करें।

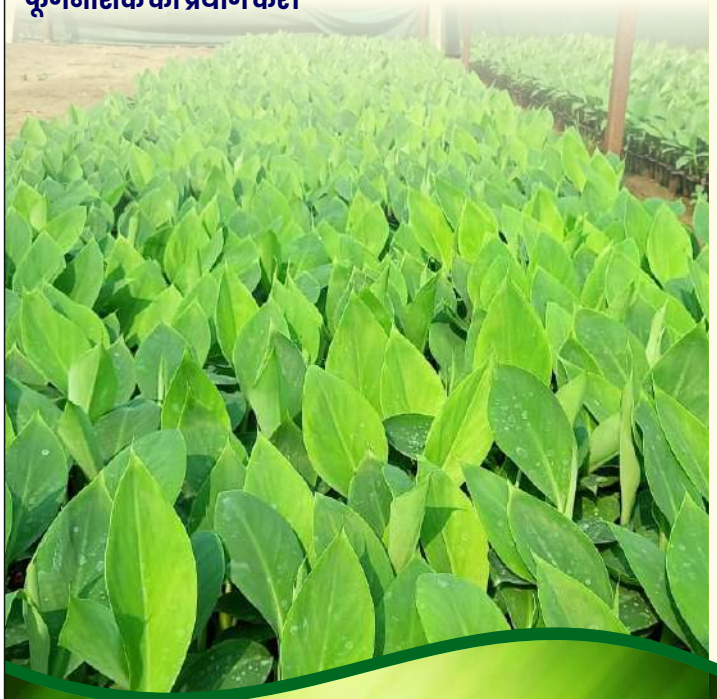

-: अधिक माहिती के लिए संपर्क करे :-

नोध : पोधे की वृध्धि ओर उत्पादन का आधार आबोहवा और मावजत पर आधार रखता है।

Vitrigold
Biotech Pvt. Ltd.

Regd. Office :
Opp. Walmi Campus, Anand - Vadod Road,
At. & Po, Hadgud - 388110 Dist. Anand (Guj.)
email : vitrigold@gmail.com
Mo.: +91 97277 61625, +91 9925145901

Vitrigold
Biotech Pvt. Ltd.

भारत सरकार (D.B.T) द्वारा
मान्यता प्राप्त कंपनी

नयी तकनीक के रंग
VITRIGOLD के संग

* १००% जातकी गेरंटी
* रोग, वाईरस ओर कुमी मुक्त पोधे
* समान विकास
* गुणवतासभर फल

टिशू कल्चर केले की वैज्ञानिक कृषि पद्धति

विदेशों की तुलना में हम कृषि के क्षेत्र में कम उन्नत तकनीक का उपयोग करते हैं। वीट्रीगोल्ड बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड हमारे राज्य और देश के लिए उपयुक्त उच्च गुणवत्ता वाली कृषि तकनीक किफायती मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है। कंपनी केला, अनार, अंजीर, अमरूद तथा नींबू किस्मों के उच्च गुणवत्ता वाले रोग मुक्त टिशू कल्चर पौधे तैयार करती है।

केले के टिश्यू कल्चर की विशेषता :-

- 100% गुणवत्ता आश्वासन
- समान विकास
- अच्छा बाजार मूल्य
- वजनदार फल
- विषाणु मुक्त पौधे

भूमि : उपजाऊ, समृद्ध, अच्छी जल निकासी वाली और एक मीटर तक गहरी मिट्टी फसल के लिए सबसे उपयुक्त होती है। 20% से अधिक कार्बनिक पदार्थ और PH 6 से 8 वाली मिट्टी केला के लिए उपयुक्त होती है।

भूमि की तैयारी : केला लगाने से पहले प्रति एकड़ 9 से 10 ट्रॉली अच्छी तरह मिश्रित खाद या जैविक खाद या कंम्पोष्ट डालें। बुआई के समय गड्ढे में खाद डालने से रोग, कीट उत्पन्न होते हैं इसलिए बुआई से पहले खाद डालें।

बुआई की विधि : (1) दो पौधों और लाइन के बीच 6 x 6 फीट की दूरी रखें और 1 x 1 x 1 फीट का गड्ढा बनाएं। 250 से 500 ग्राम खली (अरंडी, नीम) और 5 ग्राम फोरेट या फुराडोन, गड्ढे में 75 से 100 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट या 50 ग्राम डीएपी और 50 से 75 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश मिलाकर गड्ढे को भर दें। फिर गड्ढे में 2 से 4 लीटर पानी डालें.

बुआई के समय गड्ढे में 5 से 10 ग्राम माइकोराइजा, आधा ग्राम ह्यूमिक एसिड तथा 1 ग्राम जैविक फूगनाशक मिलाकर मिट्टी से भर दें तथा टिश्यू कल्चर पौधे को गड्ढे के मध्य में रखें। बुआई के तुरंत बाद हल्का पानी दें.

रासायनिक उर्वरक : टिश्यू कल्चर केला फसल के लिए कुल 16 पोषक तत्वतत्व (कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन) हवा और पानी में पाए जाते हैं। बाकी पोषक तत्व जैविक एवं रासायनिक उर्वरकों के माध्यम से देना चाहिए।

खाद डालने का समय	उर्वरक ग्रेड	उर्वरक की मात्रा
1 से 30 दिन	उर्वरक ग्रेडपोटाश का सिंगल सुपर फॉस्फेट म्यूरेट	75 से 100 75 से 100
30 से 75 दिन	यूरिया डी.ए.पी	50 से 75 50 से 75
100 से 125 दिन	यूरिया + अमोनियम सल्फेट सिंगल सुपर फॉस्फेट मैग्नीशियम सल्फेट	75 से 75 100 से 125 15 से 25
150 से 175 दिन	यूरिया + अमोनियम सल्फेट म्यूरेट ऑफ पोटाश	50 + 50 100
200 से 230 दिन	अमोनियम सल्फेट म्यूरेट ऑफ पोटाश	75 100
250 से 275 दिन	केन या यूरिया म्यूरेट ऑफ पोटाश	75 100

नोंध : फॉस्फोरस एवं पोटाश उर्वरक हमेशा खडे मे देना चाहिए तथा मिट्टी ढकने के तुरंत बाद लगाना चाहिए। उर्वरकों को अलग से अर्थात् अन्य उर्वरकों के साथ मिलाकर न देना चाहिए।

पानी में घुलनशील उर्वरक के प्रयोग की विधि : ड्रिप सिंचाईविधि के साथ पानी में घुलनशील उर्वरक डालने से फसल उत्पादन में 10% से अधिक की वृद्धि होती है। साथ ही पानी की भी बचत होती है.

फसल वृद्धि अवस्था	बुआई के कुछ सप्ताह बाद	उर्वरक का प्रकार	उर्वरक की मात्रा लगभग 1750 पौधे है	नोंध
मूल अवस्था	1 से 4	अमोनियम सल्फेट सल्फेट ऑफ पोटाश मैग्नीशियम सल्फेट सिंगल सुपर फॉस्फेट सूक्ष्म तत्व	30 12 8 38 1	पानी के साथ पानी के साथ पानी के साथ भूमि में दे दे पानी के साथ महीने में एक बार
वृद्धि अवस्था	5 से 9	अमोनियम सल्फेट सल्फेट ऑफ पोटाश मैग्नीशियम सल्फेट सिंगल सुपर फॉस्फेट सूक्ष्म तत्व	45 38 8 10 1	पानी के साथ पानी के साथ पानी के साथ भूमि में दे दे पानी के साथ महीने में एक बार
चरणसो जाने की अवस्था	10 से 22	अमोनियम सल्फेट सल्फेट ऑफ पोटाश मैग्नीशियम सल्फेट सिंगल सुपर फॉस्फेट सूक्ष्म तत्व	238 198 26 30 3	पानी के साथ पानी के साथ पानी के साथ भूमि में दे दे पानी के साथ महीने में एक बार
फल लगने की अवस्था	23 से 38	अमोनियम सल्फेट सल्फेट ऑफ पोटाश मैग्नीशियम सल्फेट सिंगल सुपर फॉस्फेट सूक्ष्म तत्व	205 85+128+128 27 1+0+9 3	प्रत्येक सप्ताह की अवधि में समान शेयर, प्रत्येक 5 सप्ताह के चरण में समान कीमत, प्रत्येक सप्ताह की अवधि में समान कीमत, प्रत्येक 5 सप्ताह के चरण में समान कीमतआइडियापडारबल
फल विकास की अवस्था	38 से 51	अमोनियम सल्फेट सल्फेट ऑफ पोटाश मैग्नीशियम सल्फेट सिंगल सुपर फॉस्फेट सूक्ष्म तत्व	205 256 18 20 2	प्रत्येक सप्ताह की अवधि में समान शेयर, प्रत्येक 5 सप्ताह के चरण में समान कीमत, प्रत्येक सप्ताह की अवधि में समान कीमत, प्रत्येक 5 सप्ताह के चरण में समान कीमतआइडियापडारबल

उर्वरक एवं फसल सुरक्षा के संबंध में बरती जाने वाली सावधानियां : हमेशा फॉस्फोरस उर्वरक (सिंगल सुपर फॉस्फेट, डीएपी) का प्रयोग हमेशा गड्ढे में करे